(325) Code No: 5

पृष्ठ संख्या 2

नशा - युवा पीढ़ी का अभिशाप

बच्चों एक देश का संपत्ति है। देश के विकास के लिए युवा पीढ़ी का अच्छा युवा पीढ़ी होना चाहिए। युवा पीढ़ी के विकास के लिए पहली शिक्षा देना चाहिए। शिक्षा पाठ से ज्ञान होगा चाहिए और ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों होना चाहिए। आजकल इस मानवीय मूल्यों नष्ट हो जाता है। इनका कारण है नशा।

आजकल युव पीढ़ी का अभिशाप है नशा। नशा से युव पीढ़ी मूल्यों को छोड़ते और बुरी आदत प्रकट करते इसलिए राष्ट्र का का संपत्ति-युवा पीढ़ी नष्ट हो जाता है।

नशा के उपयोग से कई प्रकार की समस्या ~~होम~~ होते हैं।

युव पीढ़ी और नशा

सिगरत, बिवरेज आदि नशा चिजों को खाना - पिना ~~कई~~ से कई प्रकार की बीमार भी होती है। मुँह, पान्क्रियाश, लिवर आदि को कान्सर, sclerosis ~~आदि~~ जैसे बीमार पड़ते हैं। इस प्रकार बीमारी जनता एक देश के विकास के लिए उचित नहीं होगा।

~~वे~~ नशा से उपयोगी ~~युव~~ युवाओं को उचित काम भी न मिला। इस प्रकार उनकी परिवार गरीब रहते हैं। जैसे एक नशा उपयोगी व्यक्ति कुछ काम उचित रूप में नहीं करेगा। इसलिए उनको काम नष्ट होती है।

नशा से मानवीय मूल्यों भी नष्ट होता है। इसलिए मनुष्य को स्नेह और प्रेम स्थ रूप में नहीं होगा। इसलिए परिवार की मूल्य भी नष्ट होगा।

माता और पिता को सड़क पर उपेक्ष करना, परिवार और शादि की रिश्ता अंत करना आदि बुरी आदत नशा की उपयोग के कारण होता है।

छात्राओं के बीच में नशा : एक बड़ा अभिशाप

छात्राओं के बीच में भी नशा की उपयोग बड़ा अभिशाप है। छात्राओं एक देश का भविष्यत काल का जनता है। इस जनता को उचित रूप की शिक्षा देना अनिवार्य है। नशा की उपयोग से छात्राओं को उचित रूप की शिक्षा न मिलेगा। इसलिए इन बच्चों को ज्ञान न होगा और राष्ट्र

विज्ञान रंग में अविकसित रहेगा। यह युवा पीढ़ी को भी नहीं देश को भी अभिशाप है।

मूल्य नष्ट के कारण - नशा।

नशा अपयोग करने से मूल्यों को नष्ट होता है। स्नेह और प्रेम का भाव दिखाई न होगा। सभी लोगों के मन में क्रोध का भाव देखती है।

धन को मिलने के लिए भ्रष्टाचार ~~करने~~ करते हैं।

युवतियों को अक्रमण भी नशा के की उपयोग से होता है। कई युवतियाँ नशा उपयोगवाली पुरुषों के अक्रमण सहते है। लैंगिक अक्रमण भी इस से के होते है।

समता की भाव भी इस से नष्ट होता है। हर व्यक्ति अपने आपन को

बडे मानते हैं। इसलिए समाज में एकता भी नष्ट होगा। एकता नष्ट हुआ तो शांति भी नष्ट हुआ।

दुर्घटना के कारण : नशा

नशा उपयोग युवाओं ने सड़क में गाड़ियाँ चलती हैं और ~~कई प्रकार~~ गाडि ~~न~~ गाड़ी बहुत speed से चलती है और कई प्रकार की दुर्घटना होते हैं।

~~न~~ नशा की उपयोग रोकना अनिवार्य है।

भारत में मई ३१ सिगरत बिना दिन और जून २६ नशा बिना दिन मानते है। स्कूल में नशा के बारे मे बच्चों को उचित बोधवत्करण देना

उचित है। पुलिस और न्यायालय के पास में भी उचित सेवा होना चाहिए।
अठारह (१८) साल के उम्र के बीच न हुआ बच्चों को नशा ~~देना~~ देनेवालों को उचित दण्ड देना चाहिए। नशा उपयोगी बच्चों को भी ~~अचि~~, उचीत रूप से बोधवत्करण देना अनिवार्य हैं।

नशा न उपयोगी युवा पीढ़ी ~~इ~~ बहुत अमूल्य संपत्ति हैं।

गाँधी जी ने नशा के उपयोग के बारे में कहा है कि
"नशा ~~मन~~ से मनुष्य मारते थे और हम इसका उपयोग न करेगा।"

इसलिए हम नशा को न उपयोग करें।

शबरीमला युवती प्रवेश

भारत देश में यानी केरल राज्य में शबरीमला नामक एक पुण्य भूमि है। यहाँ ~~कि~~ की मकरज्योति, मल्यालम में मकरविलक आदि मशहूर थे। यहाँ पवित्र का मिट्टी है। विशुद्धी का स्थल है। यहाँ अहिन्दु लोगों को प्रवेश न मिले। ~~टेनेज~~ 10 २० — ५० ट टेनेज छात्राओं को भी प्रवेश न मिला। लेकिन भारत के उच्च न्यायालय ~~आव~~ शबरीमला की समस्या में हाथ बाँटती है। सभी युवतियां और छात्राओं को शबरीमला मंदीर में प्रवेश करने की अनुमति दी। ~~यह~~ भारत के उच्छ न्यायालय के प्रसतुत विधि सभी देशों और राज्यों के लोगों क बड़े दुख की बात थी। केन्द्र सरकार ने प्रसतुत विधि को स्वागत करते हैं। केरल राज्य के आदरणीय मुख्यमंत्रि पिणर

पीढी नष्ट हो जाता हो.

पिणराय विजयन ने कहा है कि "भारत
सर्वोच्छ न्यायालय की विधि को स्वागत
करते है और बिना संकोज से प्रस्तुत विधि
लाधु करने का इरादा देती करेगा।

लेकिन लोगों को उचित रूप से
बोधवत्करण देना अनिवार्य है।

लोगों के मत में इस पुण्य मला
चढ़ने केलिए ~~$~~ ४२ दिन का व्रत
लेकर वह स्वामी बनते है। ~~व~~ व्रत लेने की
साथ उनकी तन और मन विशुधी की पद मे
पहुँचती है। स्त्रियों की आगमन से यह
विशुधि नष्ट हो जाती है।

सरकार के मत में शबरीमला हरेक
स्त्री और पुरुष को समता देना का
का बात है।

~~ह~~ हमारे देश को नेता नरेंद्र मोदी,
गाँधी जी आदि बिना ~~नार~~ नशा से राज्य
के पुरोगति को सहयता ~~कुछ~~ व्यक्ति है।

केरल से बदलते विदेशियां

(१) मालिक दिनार

इस्लाम धर्म प्रचरण केलिए आठवीं शती में केरल पहुँचती है। केरल में और कर्नाटक में इस्लाम धर्म प्रचरण के द्वारा इस्लाम धर्म का पुराने आराधनालय केरल में एक कोट्टयम तामरक्काडु जुमा मस्जिद स्थापित किया।

(२) अरपोस पातीरी

हंगरी से १२७६९ में केरल पहुँचती पातीरी। मिषब साहित्य प्रवर्तन में असुक थे। 'येशु चरितम' पद रूप में बदलती।

पीढी नष्ट हो जाता है।

(३) हेन्री बेकर

~~१८६२~~ १८६२ में केरल पहुँचती विदेशी। मलनाडु से कुन्नमकुलम तक लगभग साठ पल्लिकुडम स्थापित किया।

(४) ब्रण्णन साईप

~~१८६२ में~~ केरल पहुँची पातीरी। बडे दानी ~~ब~~ व्यक्ति ~~के~~ थे। १८६२ में उनके मृत्यु के बाद उनकी संपाति से स्थापित किया विद्यालय तलश्शेरी ब्रण्णन कॉलेज।

(५) हेरमन गुंडेर्ट

१८३८ केरल में पहुँचती जरमन पातीरी। मलयालम में dictionary, व्याकरण, पाठमाला, मलयालम शब्दकोश आदि लिखे। मलयालम की पहली प्रसिद्धीकरण 'राज्य समाचार' प्रसिद्ध किया।

(४) विलयम लोगन

मलबार मानुवल नामक ग्रन्थ से प्रसिध हुई व्यक्ति है विलयम लोगन। मलबार कल्कटर, मजिस्ट्रेट आदि के पद में थे।

भारत के सर्वोच्छा न्यायालय की तीन

विधियाँ

१. सत वर्ग बंध
२. शादि कि पहले का रिशता
३. दथनद

आदि है।

यह विधियां परिवार के मूल्य को नष्ट होते है।

अन्ना बेन्स को मानबुक्कर पुरसका

मानबुक्कर पुरसकार दक्षिण अयरलंड के अन्ना बेनस को मिलकमेन नामक उपन्यास को मि.

आसिया को छुटकारा बहुत दूर

धर्म निंदा के कारण पाकिस्थान की स्वोच्छ न्यायालय मृत्यु दण्ड से avoid किया आसिया बीबी को छुटकारा बहुत दूर है।

उपसंहार

नशा - युवा पीढ़ी का अभिशाप है। नशा से एक व्यक्ति को भी नहीं, एक देश की संपत्ति नष्ट हो जाता है। नशा से अनेक बीमार, दुर्घटना, मूल्य नष्ट आदि होते हैं। इसलिए देश और समाज में एकता और शांति भी नष्ट होते हैं। परिवार में भी शांति नष्ट होगा। इसलिए हम इन अभिशाप को रोकने के लिए लोगों को उचित बोधवत्करण देना चाहिए। नशा की उपयोग रोकना चाहिए। बिना नशा तो अच्छा समसार। हमारे देश समाज और परिवार के विकास के लिए नशा का उपयोग रोकना चाहिए। बिना नशा युव पीढ़ी तो सुंदर और अच्छा समसार।